2
सिल्वर ब्लेज

सुबह नाश्ते की मेज पर हम बैठे ही थे कि होम्स बोल पड़ा, "वाटसन! डर है कि मुझे अब जाना ही पड़ेगा।"

"जाना! कहाँ?"

"डार्टमोर; किंग्स पाइलैंड।"

मुझे बहुत आश्चर्य नहीं हुआ। वाकई, मुझे केवल इतना ही ताज्जुब हुआ कि वह अपने असाधारण केस में पहले से ही नहीं डूबा हुआ था, जो कि इंग्लैंड के एक सिरे से लेकर दूसरे सिरे तक चर्चा का विषय था। सारे दिन मेरा साथी कमरे में अपनी छाती पर अपनी ठुड्डी झुकाए और भौंहें चढ़ाए किसी उधेड़बुन में गंभीरता से कुछ सोच रहा था, साथ-ही-साथ वह कड़क तंबाकू से अपनी पाइप को बारबार भरता और सुलगाता भी जाता था। वह मेरे किसी भी प्रश्न और टिप्पणी पर बहरा सा हो गया था। हर अखबार का ताजा संस्करण हमें एक नजर डालने के लिए और फिर कोने में फेंक दिए जाने के लिए, हमारे अखबार के एजेंट के द्वारा हमें भेज दिया जाता था। अभी भी वह

शांत ही था, पर मैं यह अच्छी तरह जानता था कि वह कौन सी बात थी, जिस पर वह सोच रहा था। लोगों के सामने सिर्फ एक ही समस्या थी, जिसने उसके आकलन की शक्ति को चुनौती दी और वह थी बेसेक्स कप के पसंदीदा घोड़े का गायब हो जाना एवं इसके प्रशिक्षक की दुःखद हत्या। फिर उसने अचानक ही इस नाटक के इरादे की घोषणा कर दी, जिसका मुझे पहले से ही अंदाजा और उम्मीद थी।

''तुम्हारे साथ चलने में मुझे बहुत ही खुशी होगी, अगर मैं बीच में न पड़ रहा हूँ तो!'' मैंने कहा।

प्रिय वाटसन, ''तुम्हारा चलना तो मेरे लिए बड़ा सम्मान जनक होगा और जहाँ तक मैं समझता हूँ कि आपका वक्त जाया भी नहीं होगा, क्योंकि इस मामले में कुछ ऐसे बिंदू हैं, जो कि इसे पूरी तरह से अनोखा बनाते हैं। मेरे हिसाब से, हमारे पास पेडिंग्टन से ट्रेन पकड़ने का अभी वक्त है, और अपने सफर में हम इस केस पर आगे बात करेंगे। आपका मुझ पर एहसान होगा, अगर आप अपनी उस बेहतरीन दूरबीन को भी अपने साथ लेकर चलें।''

और फिर यही हुआ कि एक घंटे या कुछ और देर बाद ही मैंने अपने आपको गाड़ी के पहले दरजे में कोने में बैठा हुआ पाया, गाड़ी एक्जेटर के लिए उडी चली जा रही थी,

जबकि अपने तीखे नैन-नक्श और उत्सुकता भरे चेहरेवाला शेरलॉक होम्स कानों तक ढकी टोपी पहने उन ताजेतरीन कागजों के बंडल में डूबा हुआ था, जो कि उसने पेडिंग्टन में ही इकट्ठा किए थे। उनके अंतिम कागज को सीट के नीचे डालने के बहुत पहले ही मैंने पढ़ना बंद कर दिया था, फिर उसने अपना सिगारवाला डिब्बा मेरी तरफ बढ़ा दिया।

ट्रेन की खिड़की से बाहर की तरफ देखते हुए वह बोला, ''अच्छा तो हम चल तो अच्छी चाल से रहे हैं,'' और फिर एक निगाह अपनी घड़ी पर डाली, ''इस समय हमारी रफ्तार साढ़े तिरपन मील प्रति घंटे की है।''

मैंने कहा, ''चौथाई मील के निशानवाले खंभों पर मैंने ध्यान नहीं दिया है।''

''मैंने भी नहीं। पर इस लाइन पर टेलीग्राफ के खंभे साठ गज की दूरी पर लगे हुए हैं और इसीलिए इनका जोड़ बहुत ही आसान है। मुझे लगता है कि तुमने जॉन स्टारकर के कत्ल और सिल्वर ब्लेज के गायब होनेवाले मामले पर ध्यान दिया होगा?''

''टेलीग्राफ और क्रॉनिकल ने जो कुछ भी बताया है, वह मैं देख चुका हूँ।''

"यह उस तरह के मामलों में से है, जिसमें नए सबूतों को प्राप्त करने के लिए विवरणों के विश्लेषण के बजाय तार्किकता की कला का इस्तेमाल होना चाहिए। यह त्रासदी पूरी तरह से इतनी असामान्य और बहुत से लोगों के लिए तो निजी महत्त्व की थी कि हम अनुमान, अटकल और परिकल्पना की बहुतायत को महसूस कर रहे थे। रिपोर्टरों और टिप्पणी करनेवालों की नमक-मिर्च लगी जानकारियों से मिली, पूरी तरह से अमान्य वास्तविकताओं से सच्चाई की रूपरेखा को अलग करना अपने आप में एक बड़ी समस्या थी। इस ठोस आधार पर खुद को जमाते हुए जो भी परिणाम निकल सकता है, उसे देखना और वे कौन-कौन से महत्त्वपूर्ण बिंदु हैं, जिन पर यह पूरा रहस्य टिका हुआ है, इसे जानना हमारा कर्तव्य बन चुका था। मंगलवार की शाम मुझे कर्नल रॉस, जो कि उस घोड़े के मालिक हैं और इंस्पेक्टर ग्रीगोरी, जो कि इस मामले की छानबीन कर रहे हैं, दोनों से ही मुझे निमंत्रण का एक टेलीग्राम मिला।

"मंगलवार की शाम को मिला!" मैं चौंक पड़ा, "और आज बृहस्पतिवार की सुबह है। तुम कल ही क्यों नहीं चल दिए?"

"प्रिय वाटसन, क्योंकि मुझसे एक बड़ी गलती हो गई थी कि मैंने इस घटना को एक मामूली घटना ही समझा था।

प्रकार समाचारों के माध्यम से मुझे जो भी ज्ञात है, वह भी सही समझूँगा। क्योंकि वास्तविकता यह है कि मुझे इसके संभव होने का विश्वास ही नहीं हो रहा था कि इंग्लैंड का यह खास घोड़ा उत्तरी डार्टमोर जैसी विरल आबादीवाली जगह में लंबे समय तक छिपा नहीं रह सकता है। घंटे दर घंटे कल से मैं यही सुनने की उम्मीद लगाए बैठा था कि यह घोड़ा मिल गया होगा और उसका अपहरणकर्ता भी जॉन स्टारकर का हत्यारा ही होगा, और फिर जब अगली सुबह मुझे पता चला कि फिट्जराय सिंपसन नाम के युवक की गिरफ्तारी से अधिक कुछ भी नहीं हुआ है तो मैंने महसूस किया कि अब मेरे सक्रिय होने का समय आ चुका है। एक तरह से मेरा कल का दिन बरबाद नहीं हुआ।''

''तब तुमने अपनी एक रूपरेखा बना ली होगी?''

''कम से कम, इस मामले के जरूरी तथ्यों पर मैं एक पकड़ बना चुका हूँ। मैं उन्हें बताऊँगा, पर यह उस तरह से स्पष्ट नहीं है कि जैसे इसे किसी दूसरे व्यक्ति को अभी बताया जा सके और यदि मैं अपना काम शुरू करने की स्थिति तुम्हें स्पष्ट नहीं करूँगा तो मैं मुश्किल से ही तुम्हारे सहयोग की उम्मीद कर सकता हूँ।''

मैं कुशन का सहारा लेकर पीछे की तरफ झुका हुआ अपने

सिगार के कश खींचने लगा। होम्स आगे की ओर झुककर अपनी लंबी और पतली तर्जनी को अपने बाएँ हाथ की हथेली पर बने बिंदुओं से उन घटनाक्रमों के रेखाचित्र को दरशा रहा था, जिसने हमारी यात्रा को निर्धारित किया था।

वह बोला, ''सिल्वर ब्लेज का संबंध आइसोनोमी प्रजाति से है और अपने मशहूर पूर्वजों की तरह इसने भी असाधारण कीर्तिमान बनाए हैं। इसका अब यह पाँचवाँ साल है और इसने घुड़दौड़ का हर इनाम कर्नल रॉस के लिए जीता है, जो कि इसके भाग्यशाली मालिक भी हैं। इस त्रासदी के घटने तक वह बेसेक्स कप का पहला पसंदीदा घोड़ा था और इस पर एक-तीन की बाजी लगती थी। वह रेस-प्रेमियों की पहली प्राथमिकता हुआ करता था और इसने कभी इन्हें निराश भी नहीं किया, ताकि इस पर बहुत अधिक रकम की बाजी लगती रहे। यह भी स्पष्ट है कि वहाँ पर बहुत से ऐसे लोग भी थे, जिनकी बड़ी कोशिश रेस की झंडी गिरने तक सिल्वर ब्लेज को अगले मंगलवार तक वहाँ न पहुँचने देने में ही थी।''

इस वास्तविकता को किंग्स पाइलैंड, जहाँ पर कर्नल का अस्तबल था, में भी काफी महत्त्व दिया जाता था। इस खास घोड़े की सुरक्षा के लिए सभी तरह के इंतजाम किए गए थे। घोड़े के प्रशिक्षक जॉन स्टारकर एक सेवानिवृत्त जॉकी हैं, अपना वजन बहुत बढ़ जाने से पहले जिन्होंने

कर्नल के घोड़ों की वर्षों तक सवारी की है। वे कर्नल के यहाँ पाँच वर्षों तक जॉकी रहे हैं और फिर सात वर्षों से वहीं एक प्रशिक्षक के रूप में काम कर रहे हैं। उनकी छवि एक जोशीले और ईमानदार मुलाजिम की रही है। चूँकि यहाँ पर व्यवस्था छोटी है और इसमें केवल चार ही घोड़े हैं, इसलिए इनके नीचे तीन लड़के ही काम करते हैं। उन लड़कों में से एक हर रात अस्तबल में ही रहता है और बाकी लड़के अस्तबल की गैलरी में सोते हैं। उन सभी लड़कों का चरित्र बहुत ही अच्छा है। जॉन स्टारकर एक शादीशुदा व्यक्ति है और वह अस्तबल से करीब दो सौ गज दूर एक छोटे से गाँव में रहता है। उसके कोई संतान नहीं है, उसने एक नौकरानी भी रखी हुई है, वह एक खातापीता संपन्न व्यक्ति है। यहाँ चारों तरफ का इलाका बहुत ही वीरान सा था, परंतु इसके उत्तर में करीब आधा मील दूर देहाती मकानों का एक छोटा सा समूह था, जो कि तावी स्टाक के कांट्रेक्टरों ने उन असहाय, बीमार और अन्य दूसरे लोगों के लिए बनवाया था, जो कि डार्टमोर की ताजा हवा का आनंद लेना चाहते थे। तावी स्टाक, जो कि पश्चिम दिशा की ओर दो मील की दूरी पर मौजूद है, जबकि बंजर घाटीवाले मैदान के पार करीब दो मील की ही दूरी पर मेपल्टन का बड़ा प्रशिक्षण प्रतिष्ठान है, जिसका संबंध लार्ड बैकवाटर से है और इसका प्रबंधन सिलास ब्राउन द्वारा किया जाता है। यह घाटी चारों तरफ से हर दिशा में

एक बंजर का ही रूप लिये हुए है और इसमें केवल कुछ घुमंतू बनजारे ही रहते थे। पिछले सोमवार की रात को जब यह त्रासदी घटी, तब यहाँ इसी तरह की सामान्य स्थिति थी।

उस शाम घोड़ों ने अपना अभ्यास किया, उन्हें रोज की तरह ही पानी भी दिया गया और फिर रात को नौ बजे अस्तबल बंद भी कर दिए गए थे। लड़कों में से दो प्रशिक्षक के घर तक गए, वहाँ उन्होंने किचन में खाना भी खाया और तीसरा लड़का नेडहंटर पहरे पर ही था। नौ बजने के कुछ ही देर बाद उनकी नौकरानी एडिथ बैक्सट्र उसका खाना लेकर अस्तबल पहुँची, खाने में वह मसालेदार मटन लेकर गई थी। चूँकि पानी पीने का नल अस्तबल में ही लगा हुआ है, इसीलिए वह पीने के लिए कुछ भी लेकर नहीं गई थी और अस्तबल का यह नियम है कि पहरे पर लगा लड़का वहाँ और कुछ भी नहीं पी सकता है। नौकरानी अपने साथ लालटेन भी लेकर गई थी, क्योंकि वहाँ अँधेरा बहुत था और रास्ता उस खुले बंजर टीलेवाले मैदान से होकर जाता था।

एडिथ बैक्सटर अभी अस्तबल से तीस गज की ही दूरी पर थी कि एक आदमी अँधेरे से अचानक उसके सामने प्रकट हुआ, उसने उसे रुकने के लिए कहा। जैसे ही वह रुकी और उसने लालटेन की पीली रोशनी के घेरे में कदम रखा

तो देखा कि वह आदमी सभ्य लोगों की तरह सलेटी रंग का ट्वीड का सूट और कैनवस की टोपी पहने हुए था। उसने गेटर्स (घुटनों और एड़ियों के बीच पहने जानेवाला चमड़े का पट्टा) पहन रखे थे। उसके हाथ में मूठवाली एक भारी छड़ी भी थी। उस आदमी के पीले पड़े चेहरे और घबराहट भरे व्यवहार ने उस पर थोड़ा अजीब सा असर डाला। उसने सोचा कि उस अजनबी की उम्र तीस से कुछ अधिक ही होगी।

उस अजनबी ने पूछा, "क्या तुम बता सकती हो कि मैं कहाँ हूँ? मैं लगभग इस बंजर मैदान में ही सोने का अपना मन बना चुका था कि तभी मैंने तुम्हारी लालटेन की रोशनी देखी।"

वह बोली, "आप किंग्स पाइलैंड अस्तबल के पास हैं।"

"ओह, वाकई! क्या किसमत है," वह जोर से बोला, "मैं समझता हूँ कि अस्तबलवाला लड़का वहाँ हर रात अकेला ही सोता है। शायद यह खाना तुम उसी के लिए लेकर जा रही हो। मुझे ऐसा लगता है कि तुम एक नई ड्रेस की कीमत कमाने को बुरा नहीं मानोगी, क्यों?"

उसने एक मुड़ा हुआ सफेद कागज का टुकड़ा अपने कोट की अंदरवाली जेब से बाहर निकाला। "देखो आज की

रात वह लड़का इसे अपने पास रख लेता है और तुम इस पैसे से एक सुंदर सी फ्रॉक खरीद सकती हो।''

वह लड़की उसके इस अजीबोगरीब व्यवहार से डर गई और उसके पीछे से होती हुई, उस खिड़की की तरफ भागी, जिससे वह रोजाना खाना पहुँचाती थी। खिड़की पहले से ही खुली हुई थी और अंदर हंटर एक छोटे से टेबल पर बैठा हुआ था। उसके साथ जो कुछ भी घटित हुआ, वह हंटर को बताने लगी और तभी वह अजनबी व्यक्ति फिर से आ पहुँचा और खिड़की से झाँकते हुए बोला, ''गुड ईवनिंग! मैं तुमसे कुछ कहना चाहता हूँ।''

जैसे ही वह बोला, लड़की ने शपथ खाकर बताया था कि उस समय कागज के टुकड़े का कोना उस आदमी की बंद मुट्ठी से झाँक रहा था।

लड़के ने पूछा, ''तुम्हें क्या काम है यहाँ पर?''

वह बोला, ''मेरा काम तुम्हारी जेब गरम कर सकता है। बेसेक्स कप के लिए तुम्हारे पास दो घोड़े हैं—सिल्वर ब्लेज और बेयार्ड। मुझे एक सीधा सा सुझाव दे दो और फिर तुम घाटे में भी नहीं रहोगे। क्या यह सच है कि पाँच फर्लांगों में बेयार्ड दूसरों को सौ गज का अंतर दे सकता है? और क्या अस्तबल ने उस पर अपना पैसा लगाया है?''

लड़का चिल्लाया, "अच्छा, तो तुम उन बदमाश दलालों में से एक हो। रुको! मैं तुम्हें दिखाता हूँ कि हम उनके साथ किंग्स पाइलैंड में कैसा सलूक करते हैं।" वह उछला और अस्तबल को पार करता हुआ कुत्ते को खोलने के लिए भागा। लड़की घर की तरफ भागी और भागते समय जैसे ही उसने मुड़कर देखा तो पाया कि वह आदमी खिड़की के नीचे झुक रहा था। एक ही मिनट बाद जब हंटर बड़े से कुत्ते के साथ लौटा, तब तक वह आदमी गायब हो चुका था, हंटर उसे ढूँढ़ने के लिए चारों तरफ भागा, पर उसे उस आदमी का कोई भी निशान नहीं मिला।

मैंने कहा, "एक मिनट के लिए रुकिए। क्या जब वह अस्तबलवाला लड़का कुत्ते को लाने के लिए भागा था, तब उसने अपने पीछे दरवाजा खुला छोड़ दिया था?"

मेरा साथी फुसफुसाया, "बहुत अच्छे वाटसन, बहुत अच्छे! इस बिंदू ने मुझ पर इतना गहरा असर डाला कि मैंने कल ही इस मामले का खास टेलीग्राम डार्टमोर इसको स्पष्ट करने के लिए भेज दिया था। लड़के ने कमरा छोड़ने के पहले इसे बंद कर दिया था, और साथ ही मैं यह भी बता रहा हूँ कि खिड़की भी इतनी बड़ी नहीं थी कि एक आदमी उसमें से आसानी से निकल सके।"

हंटर ने अपने साथी साईसों के आने तक इंतजार किया,

फिर प्रशिक्षक को इसका संदेश भेजा और बताया कि वहाँ पर क्या घटित हुआ था। स्टारकर यह सुनकर बहुत उत्तेजित था, हालाँकि वह इसके वास्तविक अभिप्राय को पूरी तरह से नहीं समझ पा रहा था। इसने उसे थोड़ा असमंजस में डाल दिया था। श्रीमती स्टारकर, जिनकी आँख रात में एक बजे ही खुल गई थी, तभी उन्होंने देखा कि स्टारकर अपने कपड़े पहनकर तैयार हो रहा था। उनके पूछने पर जवाब में वह बोला, "घोड़े के बारे में सोचकर बेचैनी की वजह से मैं सो नहीं सका, और इसीलिए मैं यह देखने कि सब ठीक-ठाक है, अस्तबल तक जा रहा हूँ।" बारिश की बूँदों की आवाज खिड़की पर सुनकर उसकी पत्नी ने उसे घर पर ही रुकने को कहा, परंतु उसकी विनती के बावजूद उसने अपना बड़ा सा रेनकोट पहना और घर से निकल पड़ा।

जब श्रीमती स्टारकर सुबह सात बजे सोकर उठीं, तब उन्होंने देखा कि उनके पति अभी तक नहीं लौटे हैं। वे जल्दी-जल्दी तैयार हुईं और नौकरानी को आवाज दी, फिर अस्तबल की ओर चल पड़ीं। अस्तबल का दरवाजा खुला हुआ था और भीतर हंटर कुरसी पर निढाल सोया पड़ा था। वहाँ उस पसंदीदा घोड़े की जगह भी खाली थी और उसके प्रशिक्षक का भी कुछ पता न था।

दोनों लड़के, जो कि घोड़ों के सामान रखनेवाले कमरे के

ऊपर भूसा काटने वाली गैलरी में सोए थे, जल्दी से उठ गए। चूँकि वे बहुत ही गहरी नींद में सोने के आदी थे। इसीलिए उस रात उन्होंने कुछ भी नहीं सुना। ऐसा मालूम पड़ता था कि हंटर किसी तेज नशे के प्रभाव में था, क्योंकि उसे बिलकुल भी होश नहीं था, इसीलिए उसे सोता छोड़कर वे दोनों लड़के और दोनों औरतें उस लापता घोड़े तथा उसके प्रशिक्षक को ढूँढ़ने बाहर भागे। उनको अभी भी उम्मीद थी कि प्रशिक्षक घोड़े को अभ्यास के लिए जल्दी लेकर चला गया होगा। किंतु घर के पास टीले पर चढ़ते समय जहाँ से पास के सभी टीले दिखाई पड़ते थे, वे उस गायब हो चुके पसंदीदा घोड़े का कुछ भी निशान न देख सके, बल्कि उन्हें कुछ ऐसी आशंका हुई कि वे किसी परेशानी में पड़ गए होंगे।

अस्तबल से करीब एक चौथाई मील की दूरी पर जॉन स्टारकर का ओवरकोट एक कँटीली झाड़ी में फँसा फड़फड़ा रहा था और उससे थोड़ी ही दूरी पर कटोरे के आकार का एक गड्ढा था, जिसकी तलहटी में उस दुर्भाग्यशाली प्रशिक्षक का मृत शरीर पड़ा हुआ था। उसका सिर किसी भारी हथियार से हिंसक ढंग से चोट पहुँचाकर छिन्न-भिन्न कर दिया गया था और उसे जाँघ पर भी घायल कर दिया गया था, जहाँ पर कटने का एक लंबा निशान साफ दिख रहा था, जो कि लगता था कि किसी

बहुत ही तेज धारदार हथियार से ही हुआ था। यह स्पष्ट था कि स्टारकर ने अपने हमलावर का जोरदार विरोध किया था, क्योंकि उसने अपने दाहिने हाथ में एक छोटा सा चाकू पकड़ रखा था। चाकू पर मूठ तक खून के धब्बे लगे हुए थे और उसके बाएँ हाथ में एक लाल और काला सिल्क का मफलर लिपटा हुआ था, जो कि उस नौकरानी ने पहचान लिया कि यह वही मफलर था, जो पिछली शाम अस्तबल आनेवाले उस अपरिचित आदमी ने पहन रखा था। नशे के प्रभाव से बाहर आने के बाद हंटर भी उस मफलर के मालिक के बारे में काफी आश्वस्त हो गया था। उसे भी इस बात का यकीन था कि उसी अजनबी आदमी ने खिड़की के पास खड़े होते समय उसके मसालेदार मटन में कुछ नशा मिला दिया था, ताकि अस्तबल उनकी निगरानी से बच सके, और जहाँ तक गायब घोड़े का सवाल है, इसके बहुत से सबूत उस खतरनाक गड्ढे की तलहटी की मिट्टी में मौजूद थे, जो कि उस समय हुए संघर्ष के वक्त बन गए थे। हालाँकि जिस सुबह से वह घोड़ा गायब हुआ था, उसके बाद उस पर एक बड़ा इनाम भी घोषित कर दिया गया था, इसके साथ ही डार्टमोर के सभी बनजारों को इसके लिए चेतावनी भी दे दी गई थी, परंतु अभी तक उसकी कोई खबर नहीं मिली थी। अंततः एक जाँच से यह पता चला कि अस्तबलवाले लड़के के बचे हुए खाने में अच्छी मात्रा में अफीम का पाउडर मिला हुआ था, जबकि

उसी रात घर में रहनेवाले लोगों ने इस खाने को ही खाया था, तब उन पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं हुआ।

ये सभी इस मामले के मुख्य तथ्य हैं, जिसमें सारे अनुमान बताए गए हैं और जहाँ तक संभव है, इसे बिना किसी लाग-लपेट के ही व्यक्त किया गया है। इस मामले में पुलिस ने जो कुछ भी किया है, उसे मैं संक्षेप में बताता हूँ।

इंस्पेक्टर ग्रिगोटी, जिसे यह केस सुपुर्द किया गया है, वह एक बहुत ही काबिल अधिकारी है। यदि उसमें कल्पना की शक्ति भी होती तो वह अपने पेशे में बहुत आगे तक जा सकता था। आते ही उसने तत्परता से उस आदमी को खोज लिया और गिरफ्तार भी कर लिया, जिस पर संदेह स्वाभाविक रूप से हो रहा था। उसे ढूँढ़ने में थोड़ी ही परेशानी हुई, क्योंकि वह उन्हीं देहाती मकानों में रह रहा था, जिनके बारे में मैं पहले ही बता चुका हूँ। उसका नाम फिट्जराय सिंपसन है। उसकी पैदाइश बहुत ही अच्छे घर की और शिक्षा भी अच्छी थी, परंतु उसने अपना भाग्य रेस के जुए में नष्ट कर लिया था और अब वह लंदन के एक स्पोर्ट्स क्लब में रेस की बाजी और पैसों का हिसाब-किताब रखनेवाले एकाउंटेंट के रूप में काम करता था। उसकी बाजियों के हिसाब-किताब से पता चलता है कि पाँच हजार पाउंड्स की बाजी की धनराशि उसके द्वारा उस पसंदीदा घोड़े के खिलाफ दर्ज की गई थी। गिरफ्तार

होने पर उसने खुद ही बताया था कि वह किंग्स पाइलैंड के घोड़ों की कुछ सूचना लेने के उद्देश्य से डार्टमोर आया था और उसकी रुचि अपने दूसरे पसंदीदा डेसबोरो के बारे में भी थी, जो कि मेपल्टन के अस्तबल में सिलास ब्राउन की देखरेख में था। पिछली शाम को उसके व्यवहार के बारे में जो कुछ भी बताया गया, उसमें उसने बताया कि उसकी कोई दुर्भावनापूर्ण योजना नहीं थी और वह केवल प्रत्यक्ष सूचना ही प्राप्त करना चाहता था। जब उसका मफलर उसके सामने रखा गया तब वह पीला पड़ गया और हत्या किए गए व्यक्ति के हाथ में इसकी मौजूदगी के बारे में बताने में वह पूर्णतया असमर्थ था। उसके भीगे कपड़े बता रहे थे कि वह पिछली रात को बारिश में बाहर निकला था और उसकी भारी मूठवाली छड़ी इस बात का सबूत थी कि यह वही हथियार हो सकता था, जिसके बार-बार प्रहार से उस प्रशिक्षक को गहरी चोटें आईं, परिणामस्वरूप वह मर गया। दूसरी तरफ इस व्यक्ति के शरीर पर घाव या चोट का कोई निशान नहीं था, जबकि स्टारकर के चाकू की स्थिति से पता चलता है कि हमलावर पर चोट का कम-सेकम एक निशान तो होना ही चाहिए।

''वाटसन! संक्षेप में अब तुम सबकुछ जान चुके हो, पर यदि तुम इस पर थोड़ी और रोशनी डालो तो मैं तुम्हारा आभारी रहूँगा।''

मैंने होम्स के इस विवरण को बहुत ही रुचि लेकर सुना, जो कि उसने बहुत ही विवेचनापूर्ण और स्पष्टता के साथ मुझे बताया था। हालाँकि उन तथ्यों में से अधिकतर से मैं परिचित था और मैंने उनके आपसी संबंध तथा उनसे संबंधित महत्त्व को बहुत तरजीह नहीं दी थी।

मैंने उससे पूछा कि क्या यह संभव नहीं है कि स्टारकर का घाव उनके आपसी संघर्ष में उसके अपने ही चाकू से लगा हो और दिमाग में चोट लगने के बाद उसकी मृत्यु हुई हो?

होम्स ने कहा, "ऐसा संभव हो पाना कठिन है; पर मुमकिन हो सकता है। ऐसी स्थिति में अभियुक्त के पक्ष के बहुत से बिंदुओं में से एक बिंदु गायब हो जाता है।"

मैंने कहा, "अभी भी मैं यह समझने में असमर्थ हूँ कि इसमें पुलिस का क्या विचार हो सकता है?"

मेरे साथी ने पलटकर जवाब दिया, "मुझे इस बात का डर है कि हमने अपना जो भी मत व्यक्त किया है, उसका इससे बहुत ही कड़ा विरोध है। पुलिस को लगता है कि मैं मान लूँ कि फिट्जराय सिंपसन ने ही उस लड़के को नशीला पदार्थ खिलाया है और फिर किसी तरह डुप्लीकेट चाभी का प्रबंध करते हुए अस्तबल का दरवाजा खोलकर अपहरण करने के इरादे से घोड़े को बाहर निकाल लिया

होगा। घोड़े की लगाम भी गायब है, इसका मतलब है कि सिंपसन ने ही इसे लगाया होगा और फिर दरवाजा खुला छोड़कर जब वह घोड़े को लेकर बंजर क्षेत्र में दूर ले जा रहा होगा, तभी या तो उसकी मुलाकात घोड़े के प्रशिक्षक से हो गई होगी या फिर प्रशिक्षक ने उसका पीछा करके उसको पकड़ लिया होगा, परिणामत: उनमें झगड़ा हुआ, जिसमें सिंपसन ने अपनी भारी मूठवाली छड़ी से प्रशिक्षक के सिर पर जोर से मारा होगा और स्टारकर के उस चाकू की मार से भी खुद को बचा लिया होगा, जिसे वह प्रशिक्षक आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल करता था, फिर चोर या तो उस घोड़े को किसी छिपने के स्थान पर ले गया या लड़ाई के दौरान कहीं भाग निकला और अब वह इस बंजर टीले पर इधर-उधर घूमने-फिरने लगा होगा। दूसरी ओर विवेचनाएँ अभी और भी असंभाव्य हैं। हालाँकि जब मैं उस जगह पर एक बार रहूँगा, तब मैं इस मामले को बहुत जल्दी ही जाँच लूँगा, परंतु तब तक मैं यह नहीं कह सकता हूँ कि हम इस मामले की वर्तमान स्थिति से आगे किस प्रकार जा सकते हैं?"

हमें तावीस्टाक के उस छोटे से शहर तक पहुँचने से पहले ही शाम हो चुकी थी। यह शहर डार्टमोर के बड़े से घेरे के बीच में एक ढाल के उभार की तरह था। बाहर स्टेशन पर दो भले आदमी हमारा इंतजार कर रहे थे, जिनमें से एक

लंबा और सुंदर था, उसके बाल व दाढ़ी किसी शेर की तरह थे तथा आँखें जिज्ञासा पूर्ण व छेदती सी हलके नीले रंग की थीं; दूसरा व्यक्ति छोटा और फुरतीला था तथा इसने साफ-सुथरा फ्रॉकवाला कोट और गेटर्स पहन रखा था, इसकी मूँछें पतली और छँटी हुई थीं, साथ-ही-साथ इसने अपनी एक आँख पर लेंस भी लगा रखा था। साथ वाला व्यक्ति कर्नल रॉस था, जो कि एक जाना-पहचाना खिलाड़ी है और दूसरा व्यक्ति इंस्पेक्टर ग्रिगोरी है, जिसका नाम इंग्लिश जासूसी सेवा में बड़ी तेजी से चर्चित हुआ है।

कर्नल ने कहा, "मैं बहुत खुश हूँ मि. होम्स कि आप आ गए। अपने से जो कुछ भी अच्छा हो सकता था, वह सब इंस्पेक्टर कर चुके हैं, परंतु मैं उस बेचारे स्टारकर को न्याय दिलाने एवं अपने घोड़े को वापस पाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ना चाहता हूँ।"

होम्स ने पूछा, "क्या कोई अन्य नया नतीजा सामने आया है?"

इंस्पेक्टर बोला, "मुझे बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि इसमें बहुत ही थोड़ी प्रगति हुई है। हमारे पास एक खुली घोड़ागाड़ी है, आपको कोई एतराज हो तो, हम रोशनी कम होने से पहले उस जगह को देख लें! और रास्ते में चलते हुए बातें भी कर लेंगे।"

एक मिनट बाद ही हम सभी उस आरामदेह घोड़ागाड़ी में बैठे और उस अनोखे पुराने डेवोनशायर शहर की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे थे। इंस्पेक्टर ग्रिगोरी इस मामले में पूरी तरह से भरा हुआ था और अपनी टिप्पणियों का प्रवाह जारी रखे हुए था, जबकि होम्स कभी-कभी ही प्रश्न करते या बीच में टोकते थे। कर्नल रॉस अपनी बाँहों को मोड़े हुए पीठ टिकाकर आराम से बैठे थे और उनका हैट उनकी आँखों के ऊपर झुका हुआ था, जबकि मैं इन दोनों जासूसों के बीच होती बातचीत को रुचिपूर्वक सुन रहा था। ग्रिगोरी अपनी वही कहानी बता रहा था, जिसे करीबकरीब उसी रूप में होम्स ट्रेन में मुझे पहले ही सुना चुका था।

इंस्पेक्टर बोला, ''फिट्जराय सिंपसन के चारों ओर काफी मजबूत जाल बुना गया है।''

''मुझे ऐसा लगता है कि यही वह आदमी है,
साथ-ही-साथ यह भी महसूस होता है कि सबूत पूरी तरह से परिस्थितिवश उत्पन्न हुए हैं और इसमें जरा सा नया विकास परिणाम को उलट भी सकता है।''

''स्टारकर के चाकू का क्या हुआ?''

''हम इस निष्कर्ष पर आ चुके हैं कि गिरते समय इसने स्वयं को ही इससे घायल कर लिया होगा।''

यह सभी परामर्श मेरे मित्र डॉ. वाटसन ने हमारे वहाँ पहुँचने पर दिए थे और यदि ऐसा हुआ तो यह सब सिंपसन के खिलाफ ही जाएँगे।

"इसमें कोई शक नहीं है कि उसके पास न तो कोई चाकू है और न ही उस पर किसी चोट का निशान है। उसके खिलाफ सबूत वाकई बहुत ही मजबूत हैं। उसकी उस पसंदीदा घोड़े के गायब होने में विशेष रुचि थी। अस्तबल के लड़के को जहर देने में उस पर संदेह था; वह वाकई तेज बारिश में बाहर गया था; उसके पास बतौर हथियार वह भारी मूठवाली छड़ी थी और उसका मफलर मृतक के हाथों में पाया गया था। ऐसा लगता है, ज्यूरी के सामने जाने के लिए हमारे पास काफी कुछ है।"

होम्स ने अपना सिर हिलाया और कहा, "पर एक चतुर वकील इनकी धज्जियाँ उड़ा देगा। यदि वह घोड़े को घायल ही करना चाहता, तब इसने इसे वहीं क्यों नहीं कर दिया, अस्तबल के बाहर क्यों ले गया? क्या इसके पास अस्तबल की दूसरी चाभी मिली थी? उसे अफीम का पाउडर किस केमिस्ट ने बेचा था? और इन सबसे ऊपर, इस शहर से अपरिचित उस व्यक्ति ने इस तरह के घोड़े को कहाँ छिपा दिया? उस कागज के बारे में वह क्या कहता है, जिसे उसने उस नौकरानी को उस लड़के को देने के लिए दिया था?"

"वह कहता है कि यह एक दस पाउंड का नोट था, जो उसके बटुए में मौजूद था, परंतु दूसरी परेशानियाँ इतनी कठिन नहीं हैं, जितनी कि मालूम पड़ती हैं। वह इस शहर के लिए अपरिचित नहीं है। वह गरमी में दो बार तावीस्टाक आकर ठहर चुका है। वह अफीम शायद लंदन से लाई गई थी। वह चाभी, जिससे इस काम को अंजाम दिया गया, शायद फेंक दी गई होगी। घोड़ा किसी गड्ढे की तलहटी में या घाटी की किसी सुरंग में हो सकता है।"

"अपने मफलर के बारे में वह क्या कहता है?"

"वह इसे स्वीकार करता है और कहता है कि मफलर खो गया था, किंतु इस मामले में एक नई बात सामने आई है, जो कि उसके इस घोड़े को अस्तबल से ले जाने की तरफ इशारा करती है।"

होम्स ने अपने कान खुजाए।

"हमें कुछ ऐसी जानकारियाँ मिली हैं, जिनसे पता चलता है कि जहाँ पर हत्या हुई थी, उस जगह से एक मील की दूरी पर ही सोमवार की रात को कुछ खानाबदोश ठहरे हुए थे और मंगलवार को वे वहाँ से चले गए।

"अब यह अनुमान है कि सिंपसन और उन खानाबदोशों के

बीच कोई संबंध रहा होगा और शायद वह घोड़ा लेकर उनके पास जा रहा होगा और तभी उसका पीछा करके उसे पकड़ लिया गया होगा, शायद घोड़ा अभी भी उनके पास ही हो?''

''ये खानाबदोश इस बंजर इलाके में घूमते रहते हैं। मैंने दस मील के घेरे में तावीस्टाक के प्रत्येक अस्तबल और बाहरी घरों को छान मारा है।''

''जहाँ तक मैं समझता हूँ, अभी एक और प्रशिक्षण अस्तबल यहाँ पास में ही बचा हुआ है।''

''हाँ, यह एक ऐसी बात है, जिसकी उपेक्षा हम लोगों को नहीं करनी चाहिए।''

''उनका घोड़ा डेसबोरो इस बाजी में दूसरे नंबर पर था, उनकी रुचि इस पसंदीदा घोड़े के गायब होने में होगी। जैसा कि सुनते हैं, उनके प्रशिक्षक सिलास ब्राउन ने इस आयोजन पर बहुत बड़ी बाजी लगाई थी और वह इस बेचारे स्टारकर का दोस्त भी नहीं है।''

''क्या मेपल्टन के अस्तबलों से इस सिंपसन का कुछ भी लेना-देना नहीं है?''

''बिलकुल भी नहीं।''

होम्स घोड़ागाड़ी में पीछे की तरफ पीठ टिकाकर बैठ गए और बातचीत बंद हो गई। कुछ ही मिनटों के बाद हमारे चालक ने लाल छोटी ईंटोंवाले एक साफसुथरे विला के सामने गाड़ी रोक दी। विला की दीवारों पर किनारी बाहर की तरफ लटकी हुई थी और यह विला सड़क के किनारे ही स्थित था। कुछ ही दूरी पर बाड़े के उस पार स्लेटी रंग की टाईलवाला एक बड़ा सा घर दिखाई पड़ रहा था। हमारे चारों तरफ वह बंजर मैदान एक हलका सा उभार लिये हुए, मुरझाते हुए फर्न के पौधे के काँसे के रंग सा क्षितिज तक फैला हुआ था, जो कि तावीस्टाक के चर्च के ऊँचे खंबों और पश्चिम दिशा के मकानों के समूहों से ही अलग होता था और जिनसे मेपल्टन के अस्तबलों का भी पता चल रहा था। होम्स के अलावा हम सभी उठ खड़े हुए, परंतु होम्स सामने आकाश में नजर गड़ाए अभी भी पीठ टिकाकर अपने खयालों में डूबा बैठा हुआ था। जैसे ही मैंने उसकी बाँह को छुआ। वह एक झटके से उठ गया और गाड़ी से बाहर निकल गया।

कर्नल रॉस जो कि आश्चर्य से देख रहे थे, उनकी तरफ मुड़ते हुए होम्स बोला, "माफ कीजिएगा, मैं दिन में सपने देख रहा था।" उसकी आँखों में एक चमक थी और उसके व्यवहार में उत्तेजना को दबानेवाला भाव था, जिससे मैं भी सहमत था और इसका इस्तेमाल उसने इस ढंग से किया,

जैसे कि मैं उसी के रास्ते पर हूँ और उसके हाथों कोई सुराग लग गया है; हालाँकि मैं इसका अंदाजा नहीं लगा सका कि यह उसे कहाँ से मिला।

ग्रिगोरी ने कहा, "मि. होम्स, शायद आप वारदातवाली जगह पर तुरंत ही जाना चाहेंगे?"

"मैं सोचता हूँ कि मुझे यहाँ थोड़ी देर रुकना चाहिए और एक या दो प्रश्नों के जवाब मुझे अभी विस्तार से जानने हैं। मेरे अनुमान से क्या स्टारकर यहाँ वापस लाया गया था?"

"हाँ, वह वहाँ सीढ़ियों पर लेटा था, कल इसकी बाकी जाँच-पड़ताल होनी है।"

"कर्नल रॉस, क्या वह आपकी सेवा में कई वर्षों से है?"

"मैंने उसमें हमेशा एक अच्छा सेवक ही पाया है।"

इंस्पेक्टर, "मुझे उम्मीद है उसकी मौत के समय जो कुछ भी उसकी जेब में था, आपने उसकी सूची बना ली होगी?"

"वे सभी चीजें बैठक-कक्ष में मौजूद हैं, आप उन्हें देख सकते हैं।"

"मुझे इन्हें देखकर बहुत खुशी होगी।"

हम सभी सामनेवाले कमरे में एक कतार में खड़े हो गए और फिर कमरे के बीचवाली मेज के चारों तरफ बैठ गए, तब इंस्पेक्टर ने एक चौकोर टीन का बक्सा खोला और हमारे सामने कुछ चीजों का ढेर लगा दिया। इसमें माचिस की एक डिबिया, चरबी वाली दो इंच की मोमबत्ती, तंबाकू का एक ए.डी.पी. ब्रियारूट पाइप, सील की खाल से बनी एक थैली, सोने की जंजीरवाली चाँदी की घड़ी, सोने की पाँच गिन्नियाँ और हाथी दाँत की मूठवाला चाकू, जिसका फल बहुत ही अच्छा और कठोर था एवं उस पर विज ऐंड कं., लंदन की छाप लगी हुई थी।

होम्स ने इसे उठाकर बहुत ही गौर से देखते हुए कहा, ''यह बड़ा अजीब सा चाकू है। मुझे इस पर खून के धब्बे दिख रहे हैं, ऐसा लगता है कि यही वह चाकू है, जो मृतक की मुट्ठी में था।''

''वाटसन! यह चाकू वाकई तुम्हारी ही खोज की दिशा को बता रहा है न?''

मैंने कहा, ''इसे हम मोतियाबिंद की चीर-फाड़वाला चाकू कह सकते हैं।''

''मुझे भी ऐसा ही लगता है। इसकी इतनी अच्छी धार किसी बहुत ही सूक्ष्म व नाजुक किस्म के काम के लिए

बनाई गई है। एक बड़ी विचित्र सी बात है कि एक व्यक्ति इसे ऐसे कठोर-रूखे काम पर लेकर जा रहा था, खासतौर से जबकि यह उसकी जेब में बंद भी नहीं हो सकता है।"

इंस्पेक्टर बोला, "इसकी नोक पर सुरक्षा के लिए कार्क की प्लेट लगी हुई थी, जो कि हमें इसके शरीर के बगल में पड़ी मिली थी। उसकी पत्नी ने हमें बताया था कि वह चाकू ड्रेसिंग टेबल पर पड़ा हुआ था और जैसे ही वह कमरे से बाहर निकला, उसने इसे उठाकर रख लिया था। यह एक कमजोर सा हथियार था, परंतु शायद उस समय इसके कब्जे में सबसे बेहतर हथियार यही था।"

"बहुत संभव है, परंतु ये कागज कैसे हैं?"

"इनमें से तीन तो घास के डीलरों के खातों की रसीदें हैं; एक कागज कर्नल रॉस के निर्देशों का पत्र है और यह हैट बनानेवाले की परची है, जिसमें बांड स्ट्रीट की मैडम लीजरीर ने विलियम डर्बीशायर को सैंतीस पाउंड का भुगतान किया। श्रीमती स्टारकर ने हमें बताया था कि डर्बीशायर उसके पति का मित्र है और कभी-कभी उसके पत्र इस पते पर आते रहते हैं।"

उन परचियों की ओर देखते हुए होम्स ने टिप्पणी की, "लगता है, मैडम डर्बीशायर महँगे शौक रखती हैं। एक

अकेली ड्रेस के लिए बाईस गिन्नियाँ कुछ ज्यादा नहीं हैं क्या? ऐसा लगता है कि यहाँ कुछ और जानने के लिए नहीं बचा है, अब हमें उस वारदातवाली जगह पर चलना चाहिए।''

जैसे ही हम बैठक-कक्ष से बाहर निकले, एक औरत, जो कि लगता था, हमारा ही इंतजार कर रही थी, एक कदम आगे बढ़ी और उसने इंस्पेक्टर की बाँह पर अपना हाथ रखा। उसका चेहरा मरियल सा, पतला एवं उत्सुकता से भरा हुआ तथा हाल ही की घटना के डर की छाप लिये हुए था।

''क्या वह आपको मिल गया? क्या आपने उसे ढूँढ़ लिया?'' और फिर वह हाँफने लगी।

''नहीं, मिसेज स्टारकर! पर मि. होम्स हमारी सहायता करने लंदन से यहाँ आए हैं और जो भी संभव होगा, हम करेंगे।''

होम्स बोला, ''मिसेज स्टारकर, कुछ समय पहले मैं वाकई आपसे प्लेमाउथ की एक पार्टी में मिल चुका हूँ।''

''नहीं, सर! आपसे गलती हुई है।''

''मुझसे! क्यों? मुझे पूरा यकीन है। आपने [illegible]

के सिल्क के कपड़े पहने हुए थे, जिसमें शुतुरमुर्ग के पंखों सी किनारी लगी हुई थी।''

महिला ने जवाब दिया, ''सर! मेरे पास कभी भी ऐसी ड्रेस नहीं थी।''

होम्स ने कहा, ''ओह, चलिए, आप ठीक ही कह रही हैं।'' और फिर क्षमा माँगकर वह इंस्पेक्टर के पीछे बाहर चल दिया। उस बंजर टीले को पार करके थोड़ी दूर चलने पर हमें वह घाटी मिली, जिसमें वह मृत शरीर पड़ा हुआ मिला था। इसके ऊपरी किनारे पर कँटीली झाड़ी थी, जिसमें वह कोट फँसा हुआ पाया गया था।

होम्स ने कहा, ''जहाँ तक मैं समझता हूँ, उस रात को तेज हवा नहीं थी।''

''नहीं, पर बारिश तेज थी।''

''उस स्थिति में वह ओवरकोट उड़कर उस झाड़ी में नहीं फँस सकता, बल्कि उसे वहाँ पर रखा गया होगा।''

''हाँ, यह उस झाड़ी पर फैला दिया गया था शायद।''

''आपने तो मेरे मन में एक रुचि जगा दी है। ऐसा लगता है, यह जमीन काफी रौंदी गई है। इसमें कोई शक नहीं है

कि सोमवार की रात से अब तक यहाँ से काफी लोग गुजरे होंगे।''

''यहाँ किनारे पर एक ओर चटाई का एक टुकड़ा बिछा दिया गया है और हम सभी उसी पर खड़े थे।''

''वाह!''

''इस झोले में मेरे पास एक जोड़ा स्टारकर का और एक जोड़ा सिंपसन का जूता है, साथ ही सिल्वर ब्लेज की लोहे की एक नाल भी है।''

''वाह इंस्पेक्टर! तुमने बहुत ही बेहतर काम किया है।'' होम्स ने बैग ले लिया और उस गड्ढे में उतरने लगा, उसने उस चटाई को और बीच में सरका लिया, फिर अपने चेहरे पर एक खिंचाव सा लाते हुए अपनी ठुड्डी को हथेली पर टिकाए, अपने सामने की रौंदी हुई मिट्टी को ध्यान से देखा।

और अचानक बोला, ''हैलो! यह क्या है?'' यह आधी जली हुई मोमवाली माचिस की तीली थी, इसमें इतनी मिट्टी लगी हुई थी कि यह एक लकड़ी की पपड़ी लग रही थी।

इंस्पेक्टर ने चेहरे पर थोड़ी नाराजगी का भाव लाते हुए

कहा, "मैं यह नहीं सोच पा रहा हूँ कि मैंने इसे देखा कैसे नहीं ?"

"यह छिपी हुई और मिट्टी में दबी थी। मैंने केवल इसीलिए इसे देखा, क्योंकि मैं इसको खोज रहा था।"

"इसे पाकर आप क्या उम्मीद करते हैं।"

"मैं सोचता हूँ, यह ऐसे ही यहाँ नहीं पड़ी है।"

होम्स ने बैग से वे जूते बाहर निकाल लिये और जमीन पर पड़े निशानों से उन्हें मिलाया। फिर वह उस गड्ढे के ऊपरी किनारे तक हाथों के सहारे चढ़ा और झाड़ियों व फर्न तक कुहनियों के बल सरका।

इंस्पेक्टर बोला, "मेरे हिसाब से, वहाँ अब और रास्ता नहीं है। मैंने इस मैदान की हर दिशा में सौ गज तक काफी ध्यान से जाँच कर ली है।"

होम्स ने उठते हुए कहा, "वाकई! आपके कहने के बाद मैं इसको पुनः करने की धृष्टता नहीं करना चाहूँगा, मगर अँधेरा होने से पहले मैं इस घाटी का एक छोटा सा चक्कर जरूर लगाना चाहूँगा, ताकि मैं इस जगह को समझ सकूँ और मैं सोचता हूँ कि घोड़े की इस नाल को अपनी अच्छी तकदीर के लिए मुझे इसे अपनी जेब में रख लेना

चाहिए।''

कर्नल रॉस ने मेरे सहयोगी के शांत और काम करने के विशिष्ट तरीके को देखकर थोड़ी अधीरता दिखाई। उन्होंने अपनी घड़ी पर एक निगाह डाली और बोले, ''इंस्पेक्टर! मैं चाहता हूँ कि आप मेरे साथ वापस चलें। बहुत से ऐसे विषय हैं, जिन पर मैं आपकी राय लेना चाहता हूँ और खासतौर से क्या मुझे अपने घोड़े का नाम 'बेसेक्स कप' से बाहर करने की बात लोगों को बता देनी चाहिए?''

''बिलकुल नहीं!'' होम्स ने निर्णायक स्वर में थोड़ा जोर से कहा, ''मैं नाम जारी रहने देने के पक्ष में हूँ।''

कर्नल ने झुककर अभिवादन किया और कहा, ''सर, मुझे आपकी राय जानकर बहुत ही प्रसन्नता हुई। जब आप पूरा घूम लें, तब आप हमें उस बेचारे स्टारकर के घर पर मिल लें, फिर हम साथ ही तावीस्टाक चलेंगे।''

कर्नल इंस्पेक्टर के साथ वापस मुड़ गया, जबकि होम्स और मैं धीमे-धीमे बंजर मैदान पर चलने लगे। मेपल्टन के अस्तबल के पीछे सूरज डूबने लगा था, हमारे सामने का ढलवाँ मैदान सुनहरे रंग की आभा लिये हुए भूरे रंग में गहराया हुआ सा था, जिसमें मुरझाए हुए फर्न और कँटीली झाड़ियों पर शाम की धूप पड़ रही थी। परंतु यह प्राकृतिक

सुंदरता मेरे साथी के लिए व्यर्थ ही थी, क्योंकि वह तो अपने गहरे विचारों में ही डूबा हुआ था।

अंतत: वह बोला, "वाटसन! इधर से।"

"हम थोड़ी देर के लिए यह सवाल छोड़ सकते हैं कि जॉन स्टारकर को किसने मारा, हम यह जानने पर ध्यान केंद्रित करें कि उस घोड़े के साथ क्या हुआ होगा? अब यह मान लें कि वह घोड़ा उस त्रासदी के दौरान या बाद में खुद को छुड़ाकर भाग गया होगा, परंतु वह जा कहाँ सकता है? घोड़ा समाज में रहनेवाला प्राणी है। यदि उसे खुला छोड़ दिया जाए तो उसकी अंत:प्रेरणा उसे वापस किंग्स पाइलैंड या मेपल्टन अस्तबल की ओर ही ले जाएगी। वह इस बंजर जमीन पर इधर-उधर क्यों भटकेगा? वह अब तक जरूर देख लिया गया होगा और उसका अपहरण बनजारे क्यों करेंगे? ऐसे लोग जब भी अशांति की चर्चा सुनते हैं तो वे उस जगह को छोड़ देते हैं, क्योंकि वे पुलिस के झंझट में नहीं पड़ना चाहते हैं। तब वे ऐसा घोड़ा बेचने की उम्मीद भी नहीं कर सकते। तब वे बहुत बड़े जोखिम में पड़ जाएँगे और इससे वे कुछ भी हासिल नहीं कर पाएँगे। यह बात बिलकुल ही स्पष्ट है।"

"तब वह है कहाँ?"

''मैं यह पहले ही कह चुका हूँ, या तो वह किंग्स पाइलैंड में है या मेपल्टन में। वह किंग्स पाइलैंड में नहीं मिला, इसीलिए वह मेपल्टन में ही होगा। आओ एक अनुमान के आधार पर ही वहाँ चलते हैं, देखें कि इससे हमें क्या हासिल हो पाता है?''

''जैसा कि इंस्पेक्टर ने बताया था कि बंजर का यह हिस्सा बहुत ही कठोर और सूखा है। किंतु इसकी ढाल मेपल्टन की तरफ है और तुम वहाँ से देख सकते हो कि वहाँ उधर की तरफ एक बड़ा सा गड्ढा है, जो कि मंगलवार की रात को बहुत ही गीला हो गया होगा। यदि हमारा अनुमान सही है, तब घोड़े ने उसे जरूर पार किया होगा और इस बात में दम है कि हमें वहाँ उसके पैरों के निशान मिलने चाहिए।''

हम बातचीत करते हुए तेजी से चल रहे थे और कुछ ही मिनटों में उस बड़े गड्ढे के पास पहुँच गए। होम्स के कहने पर मैं उस गड्ढे के किनारे के दाहिनी तरफ से उतरा और वे बाईं तरफ से उतरे, पर अभी मैं पचास कदम भी नहीं चल पाया था कि मैंने उनके चिल्लाकर पुकारने की आवाज सुनी और देखा कि वे हाथ हिलाकर मुझे बुला रहे थे। उनके सामने मुलायम जमीन पर घोड़े के पदचिह्न दिख रहे थे और उनके पास जेब में जो घोड़े की नाल थी वह उस छाप में ठीक-ठाक समा गई थी।

होम्स ने कहा, "देखा, कल्पना का कमाल! यही वह चीज है, जिसका ग्रिगोरी के पास अभाव है। हमने कल्पना की थी कि क्या हो सकता था और अनुमान पर काम किया और फिर खुद को सही पाया। चलो अब आगे बढ़ते हैं।"

हमने उस दलदली तलहटी को पार किया और करीब एक चौथाई मील सूखी और कठोर जमीन पर चले। आगे फिर जमीन ढालू थी और वे पदचिह्न भी दिखाई पड़े। करीब आधे मील तक वे निशान फिर से गायब हो गए, परंतु उन्हें पाने के लिए हम मेपल्टन के काफी पास तक पहुँच गए। यह होम्स ही थे, जिन्होंने उन चिह्नों को पहले देखा और उन्हें देखते ही उनके चेहरे पर जीत का एक भाव दिखा। घोड़े के पदचिह्नों के पीछे अब एक आदमी के भी पैरों के निशान दिख रहे थे।

मैं जोर से बोला, "पहले घोड़ा अकेला था।"

"ऐसा ही लगता है कि यह पहले अकेला ही था।"

"अरे, देखो तो यह क्या है?"

दोनों ही पदचिह्न अचानक वापस मुड़ गए थे और अब वे किंग्स पाइलैंड की दिशा की ओर थे। होम्स ने सीटी की आवाज निकाली और हम इनके निशानों के पीछे चल पड़े।

उनकी आँखें पदचिह्नों पर ही टिकी थीं, परंतु मैं उसमें कुछ हटकर एक ओर देख रहा था। तभी मुझे देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ कि वही पदचिह्न फिर से वापस विपरीत दिशा की ओर आ रहे हैं।

जब मैंने उनकी तरफ इशारा किया, तब होम्स बोले, ''वाटसन! तुम समझ लो, यह तुम्हारे लिए है। तुमने हमारी काफी दूरी बचा दी है, क्योंकि इसने हमें हमारे चिह्नों पर वापस ला दिया है। चलिए, वापसी के चिह्नों के पीछे चलते हैं।''

हमें काफी दूर तक नहीं चलना पड़ा, निशान डामरवाले रास्ते पर जाकर खत्म हो गए थे। यह रास्ता मेपल्टन के अस्तबलों के फाटकों की ओर जा रहा था। जैसे ही हम वहाँ पहुँचे, एक साईस दौड़ता हुआ बाहर आया और बोला, ''हम यहाँ किसी बाहरी व्यक्ति को नहीं देखना चाहते हैं।''

होम्स ने अपने वेस्टकोट की जेब में अपनी उँगली और अँगूठे को डाले हुए कहा, ''मैं सिर्फ एक चीज पूछना चाहता हूँ?''

''यदि मैं तुम्हारे मालिक सिलास ब्राउन से कल सुबह पाँच बजे मिलना चाहूँ तो यह बहुत जल्दी तो नहीं होगा?''

"सर, यदि कोई आनेवाला है तो वे मौजूद रहेंगे, वे तो पहले से ही तैयार रहते हैं, परंतु यहाँ तो मैं खुद ही आपके प्रश्नों का जवाब देने के लिए मौजूद हूँ। नहीं, नहीं सर! जहाँ तक मेरी अपनी कीमत है। मुझे कुछ दिखना भी तो चाहिए। फिर जैसा आप चाहें।"

शेरलॉक होम्स ने आधा क्राउन अपनी जेब से निकाला और उसे वापस फिर जेब में डाल दिया, उसने देखा कि गुस्से से घूरता हुआ एक बुजुर्ग आदमी फाटक पर हाथों में चाबुक लहराता हुआ टाँगें फैलाकर खड़ा है।

"डॉसन! क्या बात है? गप्पबाजी मत करो, जाकर अपना काम करो। और तुम, तुम्हें यहाँ क्या काम है?"

होम्स ने बहुत ही मीठे स्वर में कहा, "सर! हम सिर्फ दस मिनट के लिए आपसे बात करना चाहते हैं।"

"मेरे पास बेकार घूमनेवालों से बात करने का समय नहीं है। हमें यहाँ अजनबी का आना पसंद नहीं। भाग जाओ, नहीं तो तुम्हारे पीछे कुत्ता छोड़ दूँगा।"

होम्स आगे की ओर झुके और उस प्रशिक्षक के कानों में फुसफुसाकर कुछ कहा। जिसे सुनते ही वह उत्तेजित हो गया और उसकी कनपटी गुस्से से लाल हो गई।

वह चिल्लाया, "यह झूठ है, बिलकुल बकवास!"

"ठीक है! क्या हम इस बारे में यहीं लोगों के सामने बात करें या तुम्हारे कमरे में चलें?"

"अच्छा, तुम चाहते हो तो भीतर आ जाओ।"

होम्स मुसकराया और बोला, "वाटसन! मैं कुछ मिनटों में ही लौटकर आता हूँ।"

"हाँ, तो मि. ब्राउन, अब यह आप पर निर्भर करता है।"

अभी सिर्फ बीस मिनट ही बीते थे कि होम्स और वह प्रशिक्षक फिर से वापस आते दिखे, परंतु अब उस प्रशिक्षक की वह सारी गुस्सेवाली लाली मुरझाकर रंग छोड़ चुकी थी। इतने कम समय में ऐसा परिवर्तन मैंने पहले कभी नहीं देखा था कि जैसा मुझे सिलास ब्राउन के चेहरे पर दिखा। उसका चेहरा पीला पड़ चुका था और उसकी भौंहों पर पसीने की बूँदें झलक रही थीं; और चाबुक हवा में हिलती टहनी की तरह हिल रहा था। उसका उद्दंडता भरा व्यवहार भी अब गायब हो चुका था और वह मेरे साथी के बगल में घिघियाता हुआ वैसे ही चल रहा था कि जैसे एक कुत्ता अपने मालिक के बगल में चलता है।

वह बोला, "आपके निर्देशों

पूरा कर दूँगा।''

होम्स ने उसकी तरफ देखते हुए कहा, ''इसमें कोई गलती नहीं होनी चाहिए''

जैसे ही उसने होम्स की आँखों में एक धमकी भरी चेतावनी देखी तो वह काँप गया।

''ओह, नहीं! इसमें कोई गलती नहीं होगी। यह काम जरूर हो जाएगा। क्या मुझे इसे पहले ही बदलना है या नहीं?''

होम्स ने एक मिनट रुककर कुछ सोचा और फिर जोर से हँस पड़ा। वे बोले, ''नहीं, अभी नहीं। मैं इस बारे में तुमको लिखूँगा। हाँ, अब और कोई चालाकी नहीं, नहीं तो... ?''

''ओह सर! आप मुझ पर विश्वास करें, आप मुझ पर विश्वास कर सकते हैं।''

''हाँ, ऐसा लगता है कि मैं कर सकता हूँ। अच्छा, तो तुमसे कल बात होगी।''

इतना कहकर वह उस आदमी के हिलते हुए हाथ पर ध्यान न देते हुए, जो कि उसने इन्हीं के लिए बाहर निकाला था, वापस मुड़ा और किंग्स पाइलैंड की ओर चल पड़ा।

जब हम साथ-साथ पैदल वापस आ रहे थे, तभी होम्स ने टिप्पणी की, "ट्रेनर सिलास ब्राउन उद्दंडता, भीरूता और टुच्चेपन का अद्भुत नमूना है, मैं शायद ही ऐसे व्यक्ति से पहले कभी मिला हूँ।"

"तब क्या घोड़ा उसी के पास है?"

"उसने पहले तो घुड़की देने की कोशिश की, पर मैंने उसकी करनी का वर्णन इतने सही ढंग से किया कि वह यह मान गया कि जैसे मैं उसे यह सब करते हुए देख रहा था। वाकई, तुमने पैरों के उस चिह्न में एक खास तरह के चौकोर अँगूठेवाला निशान देखा था, जो कि बिलकुल उसके जूते के जैसा ही था, और यह भी सच है कि कोई भी मातहत कर्मचारी ऐसा काम करने का साहस नहीं करेगा। मैंने उसे बताया कि कैसे वह अपनी आदत के अनुसार पहले निचले मैदान में आया और उसने वहाँ एक अपरिचित घोड़ा बंजर में घूमते हुए देखा। फिर कैसे वह इसके पास गया और इसके सफेद माथे को देखकर, इसे पहचानकर कि यह तो मशहूर घोड़ा फेवरिट है, जिस निशान की वजह से ही तो उसका फेवरिट नाम पड़ा और फिर कैसे वह आश्चर्यचकित रह गया। उसे एक मौका मिला था कि यही वह घोड़ा था, जो कि उसके उस घोड़े को हरा सकता था, जिस पर वह अपना पैसा लगा चुका था। फिर मैंने यह भी बताया कि पहले किस प्रकार उसकी

प्रेरणा उसे किंग्स पाइलैंड की तरफ ले चली और फिर बुराई ने उसे वह रास्ता दिखाया, किस तरह वह रेस के खत्म होने तक उस घोड़े को छिपा सकता था और फिर किस प्रकार वह इसे वापस ले आया और इसे मेपल्टन में छिपा दिया। जब मैंने उसे यह सारा विवरण बताया तो वह हताश हो गया और फिर केवल अपनी जान बचाने की ही गुहार लगाने लगा।

''परंतु उसके अस्तबलों में तो खोजबीन की जा चुकी थी।''

''ओह! उसके जैसे पुराने खिलाड़ी के पास धोखा देने के बहुत से तरीके हैं।''

''परंतु उसके पास घोड़ा रहने देने में क्या तुम्हें इसका डर नहीं है कि उसकी रुचि इसे नुकसान पहुँचाने में ही है?''

''मेरे प्यारे साथी, वह इसकी सुरक्षा अपनी जान की ही तरह करेगा, क्योंकि वह जानता है कि इसको सुरक्षित पहुँचाना ही उसके ऊपर होनेवाली दया की आखिरी उम्मीद है।''

''कर्नल रास इस मामले में अधिक दया दिखानेवाला आदमी नहीं लगता है।''

"यह मामला कर्नल रॉस पर निर्भर नहीं है। मैं अपने ही तरीके से काम करता हूँ और जितना मुझे लगता है, उतना ही कम या अधिक मैं बताता हूँ। स्वतंत्र होकर काम करने का यही फायदा है। वाटसन, मैं नहीं जानता हूँ कि तुमने इस पर ध्यान दिया है कि नहीं, पर कर्नल का व्यवहार मेरे साथ थोड़ा उपेक्षापूर्ण रहा है, और उसकी कीमत पर अब मैं थोड़ा मजा लेना चाहता हूँ। उसको इस घोड़े के बारे में कुछ भी नहीं कहना है।"

"बिना तुम्हारे आदेश के बिलकुल नहीं बताऊँगा।"

"जॉन स्टारकर की हत्या किसने की है? इस प्रश्न की तुलना में इन बातों का महत्त्व बहुत कम है।"

"और इसी में तुम अपने आप को लगाओ। पर आज की रात की ट्रेन से हम दोनों लंदन जाएँगे।"

मैं अपने साथी के शब्दों को सुनकर भौंचक्का रह गया। हमने अभी कुछ ही घंटे डेवानशायर में बिताए थे और उसने अपनी छानबीन इतनी बुद्धिमानी से शुरू की ही थी, जो अभी पूरी तरह से मुझे समझ में भी नहीं आई थी, कि वह इसे बीच में ही छोड़ रहा था। जब तक हम प्रशिक्षक के घर वापस नहीं आ गए, उनके मुँह से एक भी शब्द नहीं निकला। कर्नल और इंस्पेक्टर घर पर हमारा इंतजार कर रहे

थे।

होम्स ने कहा, "मेरा दोस्त और मैं रात की ट्रेन से शहर वापस जा रहे हैं, हम आपके खूबसूरत डार्टमोर की शानदार ताजी हवा का आनंद ले चुके हैं।"

इंस्पेक्टर ने अपनी आँखें चौड़ी कीं और कर्नल ने उपहास की मुद्रा में अपने होंठ गोल किए और कहा, "तो आप उस बेचारे स्टारकर के कातिल को गिरफ्तार न कर पाने के कारण बहुत निराश हैं।"

होम्स ने अपने कंधे उचकाए और बोले, "इस काम में वाकई बहुत सी कठिनाइयाँ हैं। फिर भी मैं यह चाहता हूँ कि कैसे भी आपका घोड़ा मंगलवार को रेस में भाग ले और मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप अपने जॉकी को इसके लिए तैयार रखेंगे। क्या मैं आपसे जॉन स्टारकर की एक तसवीर ले सकता हूँ?"

इंस्पेक्टर ने फोटो लिफाफे से बाहर निकाला और उसे दे दिया।

"मि. ग्रिगोरी, आप मेरी सभी इच्छाओं का अनुमान लगा लेते हैं, क्या आप यहाँ थोड़ी देर के लिए रुकेंगे, ताकि मैं उस नौकरानी से एक प्रश्न पूछ सकूँ।"

जैसे ही मेरा साथी कमरे से बाहर गया, कर्नल रॉस ने रूखेपन से कहा, "मैं आपके लंदनवाले परामर्शदाता से थोड़ा निराश हूँ। जब से वे आए हैं, मुझे नहीं लगता है कि हम कुछ भी आगे बढ़े हैं।"

मैंने कहा, "कम-से-कम आपको उनकी ओर से यह आश्वासन तो मिला है कि आपका घोड़ा रेस में दौड़ेगा।"

कर्नल ने अपने कंधे उचकाते हुए कहा, "हाँ, मुझे मात्र आश्वासन मिला है, और मैं अपना घोड़ा पाना चाहता हूँ।"

जब वह दुबारा कमरे में घुसे तो मैं अपने साथी की प्रतिरक्षा में कुछ जवाब देने ही वाला था कि वे बोल पड़े, "हाँ, तो अब मैं तावीस्टाक के लिए पूरी तरह से तैयार हूँ।"

जैसे ही हम घोड़ागाड़ी में चढ़े तभी अस्तबल के एक लड़के ने हमारे लिए दरवाजा खोला। होम्स के दिमाग में अचानक कोई विचार कौंधा। उन्होंने आगे झुककर उस लड़के की बाँहों को छुआ और कहा, "तुम्हारे अस्तबल में कुछ भेड़ें भी हैं। उनकी देखभाल कौन करता है?"

"मैं ही करता हूँ, सर!"

"क्या तुमने उनके साथ कुछ होते हुए देखा है?"

"नहीं, सर! ज्यादा तो नहीं, पर उनमें से तीन भेड़ें लँगड़ा रही हैं।"

मैं देख सकता था कि होम्स बहुत ही खुश था और उसने प्रसन्नता से अपने हाथों को आपस में रगड़ा।

मेरी बाँह में चिकोटी काटते हुए वे बोले, "दूर की कौड़ी, वाटसन! बहुत दूर की कौड़ी!"

"भेड़ों में हुए इस खास संक्रामक रोग पर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा, मि. ग्रिगोरी!"

"चलो कोचवान!"

कर्नल रॉस के चेहरे पर वही भाव थे जो कि उन्होंने मेरे साथी की काबिलियत के लिए पहले से ही बना रखे थे, परंतु मैंने इंस्पेक्टर के चेहरे पर एक उत्सुकता का भाव देखा।

उसने पूछा, "आप उन्हें जरूरी समझते हैं?"

"बहुत ही ज्यादा जरूरी।"

"क्या इसमें कोई ऐसा बिंदु है, जिस पर आप मेरा ध्यान खींचना चाहेंगे?"

"हाँ, घटनावाली उस रात को कुत्ते के विचित्र से व्यवहार पर।"

"उस रात कुत्ते ने कुछ भी नहीं किया।"

शेरलॉक होम्स ने कहा, "यह एक अजीब सी बात है!"

चार दिनों के बाद ही मैं और होम्स बेसेक्स कप की रेस देखने विंचेस्टर जाने वाली ट्रेन में फिर से जा रहे थे। पहले से ही तय कार्यक्रम के अनुसार कर्नल रॉस स्टेशन के बाहर हमसे मिले और हम शहर से दूर रेस के मैदान की तरफ चल पड़े। उनके चेहरे पर गंभीरता थी और उनका व्यवहार काफी ठंडा था।

कर्नल ने कहा, "मैंने अभी तक अपना घोड़ा नहीं देखा है।"

होम्स बोले, "मुझे लगा कि उसे देखकर आपने पहचान लिया होगा।"

कर्नल बहुत गुस्से में था, उसने कहा, "मैं पिछले बीस सालों से इस क्षेत्र में हूँ और इस तरह का प्रश्न पहले मुझसे किसी ने नहीं किया। एक बच्चा भी सिल्वर ब्लेज को उसके सफेद माथे और चित्तीदार अगले पैरों को देखकर पहचान लेगा।"

"रेस की बाजी का क्या हाल है?"

"हाँ, यह इसका एक जिज्ञासावाला पहलू है। कल तक आप रेट पंद्रह-एक का रख सकते थे, पर आज अब कीमत कम और कम होते-होते मुश्किल से तीन-एक तक की ही रह गई है।"

होम्स बोले, "यह बात साफ है कि कोई कुछ जानता है।"

जैसे ही हम दर्शकदीर्घा के पास पहुँचनेवाले थे, मैंने रेस में भाग लेनेवाले प्रतिभागियों को देखने के लिए उनके सूची कार्ड पर एक नजर डाली।

बेसेक्स कप

1. न्यूटन मालिक हेथ—लाल टोपी, दालचीनी के रंगवाली जैकेट

2. पुगिलिस्ट मालिक कर्नल वार्डलॉ—गुलाबी टोपी, नीली-काली जैकेट

3. डेसबोरोग मालिक लार्ड बैकवाटर—पीली टोपी और बाँहदार जर्सी

4. सिल्वर ब्लेज मालिक कर्नल रॉस—काली टोपी, लाल जैकेट

5. आइरिश मालिक बालमोराल के. ड्यूक—पीली और काली पट्टी

6. रास्पर मालिक लार्ड सिंगलफोर्ड—बैंगनी टोपी, काली बाँहदार जर्सी

कर्नल ने कहा, "हमने अपने दूसरे घोड़े को हटा दिया और आपके आश्वासन पर अपनी सारी उम्मीदें लगा दीं। क्यों, क्या हुआ? कहाँ है सिल्वर ब्लेज?"

रिंग से जोरदार आवाज आई, "सिल्वर ब्लेज पाँच से चार! सिल्वर ब्लेज पाँच से चार! डेसबरोग पाँच से पंद्रह। मैदान पर पाँच से चार।"

मैं चीखकर बोला, "वहाँ संख्या बढ़ रही है, वहाँ पर सभी छह घोड़े मौजूद हैं।"

कर्नल अधिक उत्तेजना से चीख पड़ा, "क्या वहाँ सभी छह घोड़े मौजूद हैं? इसका मतलब मेरा घोड़ा रेस में दौड़ रहा है? पर मुझे वह दिखाई नहीं पड़ रहा है। मेरा वाला रंग अभी सामने से नहीं गुजरा है।"

"केवल पाँच घोड़े ही गुजरे हैं, तब यहाँ वाला होना चाहिए।"

जैसे ही मैं बोला, एक तगड़ा गहरे भूरे रंग का घोड़ा भार मापन के सामने से गुजरा और उसकी पीठ पर कर्नलवाली जानी-बूझी काली टोपी और लाल जैकेट भी मौजूद थी।

घोड़े का मालिक चीखा, "वह मेरा घोड़ा नहीं है। उस घोड़े पर सफेद बाल नहीं हैं। मि. होम्स, यह आपने क्या किया?"

मेरे साथी ने बिना परेशान हुए ही कहा, "देखो, देखो, वह कितना अच्छा दौड़ रहा है।" कुछ देर के लिए उसने मेरी दूरबीन लेकर देखा, वह आदतन चीखा, "वाह! क्या शानदार शुरुआत है। वे सब वहाँ हैं और अब मोड़ पर घूम रहे हैं।"

जब वे सीध में आते थे तब हमारी जगह से उनका दृश्य बहुत ही अच्छा दिखाई देता था। वे छह घोड़े आपस में इतने पास-पास थे कि एक कालीन से उनको ढका जा सकता था, परंतु आधी ही दूरी पर मेपल्टन अस्तबल का पीलावाला उनमें से आगे दिखा। इससे पहले कि वे हम तक पहुँचते, हालाँकि डेसबरोग की दौड़ काफी तेज थी, पर कर्नल का घोड़ा आँधी की तरह आया और अपने

प्रतिद्वंद्वी के पहुँचने से छह लेंथ पहले ही पोस्ट को पार कर गया। बालमोराल के ड्यूक का आइरिश तीसरे नंबर पर था।

कर्नल ने लंबी साँस लंबी भरते हुए और हाथों से अपनी आँखों को ढकते हुए कहा, "कैसे भी करके, यह रेस मेरी हो गई।" मैं यह स्वीकार करता हूँ कि इस रेस में मैंने न तो चित देखी और न ही पट। मि. होम्स, क्या आपको ऐसा नहीं लगता है कि आपने अपने रहस्य को कुछ ज्यादा ही लंबा खींचा?"

"सचमुच, कर्नल! मगर आप सबकुछ जान जाएँगे।"

"आइए, साथ चलते हैं और घोड़े पर एक नजर डालते हैं।"

कर्नल ने कहा, "घोड़ा इधर है, और वे हमें उस तरफ ले चले, जहाँ सिर्फ घोड़े के मालिकों और उनके मित्रों को ही जाने की अनुमति थी।"

होम्स बोले, "आपको इस घोड़े के मुँह और पैरों को वाइन या स्प्रिट से धुलवाना होगा, तब आप देखेंगे कि यह वही पहलेवाला सिल्वर ब्लेज ही है।"

"तुमने मुझे बहुत ही खूबसूरत आश्चर्य दिया है।"

"मुझे यह घोड़ा एक जालसाज के पास मिला और जैसे ही यह वापस भेजा गया, मैंने इसके दौड़ने की आजादी हासिल कर ली।"

"आपने तो कमाल ही कर दिया। घोड़ा भी बिलकुल ठीक-ठाक दिख रहा है। यह अपनी जिंदगी में इतना अच्छा कभी नहीं दौड़ा। आपकी योग्यता पर शक करने के लिए मैं आपसे हजार बार माफी माँगता हूँ। आपने मेरा घोड़ा मुझे वापस देकर बहुत बड़ा एहसान किया है। आपकी मुझ पर एक और कृपा होगी, यदि आप जॉन स्टारकर के हत्यारे को भी पकड़ लें।"

होम्स ने धीमे से कहा, "मैं यह भी कर चुका हूँ।"

कर्नल और मैं उन्हें आश्चर्य से देखने लगे।

"आपने उसे पकड़ लिया है! तब वह है कहाँ?"

"वह यहीं पर है।"

"यहाँ! कहाँ?"

"इस समय वह मेरे साथ ही है।"

कर्नल गुस्से में भर गया और बोला, "मि. होम्स, मैं यह

मानता हूँ कि आपका मुझ पर एहसान है, परंतु आपने अभी जो कहा, वह मेरे लिए एक बुरा मजाक या अपनी बेइज्जती ही है।''

शेरलॉक होम्स हँस पड़ा, ''मैं आपको इसके लिए निश्चिंत कर देता हूँ कि मैंने आपको इस अपराध में शामिल नहीं किया है। असली हत्यारा तो आपके पीछे खड़ा है।''

इसके साथ ही वह पीछे हटा और अपना हाथ उस घोड़े की चमकदार गरदन पर रखा।

''घोड़ा!'' मैं और कर्नल दोनों ही चीखते हुए बोले।

''जी हाँ, यही घोड़ा। और यदि मैं कहूँ कि यह इसने अपनी आत्मरक्षा में किया है तो यह इसके अपराध को कम कर सकता है। साथ ही जॉन स्टारकर आपके विश्वास के लिए बिलकुल ही अयोग्य व्यक्ति था।''

''देखिए, अगली रेस की घंटी बज गई। मैं अगली रेस में भी थोड़ी सी रकम जीतना चाहता हूँ। उपयुक्त समय मिलते ही मैं इस सब के बारे में विस्तार से बताऊँगा।''

उस शाम लंदन के लिए वापस अपने कोच में जब हम जा रहे थे, तब मुझे लगता था कि यह यात्रा कर्नल रॉस के साथ-साथ मेरे लिए भी काफी छोटी थी, क्योंकि मेरे साथी

ने सोमवार की उस रात को डार्टमोर के प्रशिक्षण अस्तबल में घटी उस घटना को कुछ इसी ढंग से हमें बताया था।

होम्स ने कहा, ''मैं यह मानता हूँ कि अखबारों की सूचनाओं के आधार पर मैंने जो भी धारणाएँ बनाई थीं, वे पूरी तरह से गलत थीं। और फिर वहाँ इसके संकेत थे कि इसमें कौन सी वे तमाम जानकारियाँ नहीं थीं, जिन्होंने सच्चाई को भी छुपाया गया था। मैं पूरे यकीन के साथ डेवानशायर गया था कि फिट्ज़राय सिंपसन ही वास्तविक अपराधी है, हालाँकि मुझे लग रहा था कि उसके खिलाफ मिले सबूत पूरी तरह से सही नहीं हैं। जब मैं घोड़ागाड़ी में था और प्रशिक्षक के घर पहुँचने ही वाला था कि तभी उस मसालेदार मटन की विशेषता पर मेरा ध्यान गया। आप लोगों को याद होगा कि उस समय सभी प्रसन्न थे और मैं अनमना सा चुपचाप बैठा हुआ था। मैं अपने खुद के ही दिमाग पर अचंभित था कि इतने प्रत्यक्ष सुराग को मैंने कैसे अनदेखा कर दिया।''

कर्नल ने कहा, ''मैं मानता हूँ कि अभी भी मैं नहीं देख पा रहा हूँ कि यह किस तरह से हमारे लिए सहायक है।''

''मेरे तर्कों की शृंखला की यह पहली कड़ी थी। अफीम का चूरा किसी भी हाल में स्वादहीन नहीं होता है। इसकी सुगंध बेकार नहीं है, पर इसे समझा जा सकता है, और

जब इसे किसी सामान्य खाने में मिलाया जाता है तब खानेवाले को तुरंत ही इसका पता चल जाता है और तब वह संभवतः इसे और अधिक नहीं खाएगा। वह मटन करी तो सिर्फ एक माध्यम थी, जिससे उस स्वाद को धोखा दिया जा सके। इसमें किसी भी अनुमान की संभावना नहीं है कि उस अजनबी फिट्जराय सिंपसन ने उस रात को प्रशिक्षक के परिवार को वह करी परोसी थी और यह वाकई बहुत ही भयानक संयोग माना जाएगा कि वह उस रात को अफीम का चूरा लेकर आया तथा जब करी परोसी गई, तब उसने इसकी महक को छिपाने के लिए उसे इसमें मिला दिया। यह बात सोच से बिलकुल ही परे है। इसीलिए सिंपसन तो इस मामले में अलग हो जाता है और हमारा ध्यान अब स्टारकर एवं उसकी पत्नी पर केंद्रित होता है कि यही वे दो लोग थे, जिन्होंने उस रात मसालेदार मटन को परोसने का निर्णय लिया था। जब खाना अस्तबलवाले लड़के के लिए अलग निकालकर रख दिया गया था, तभी इसमें अफीम मिलाई गई थी, क्योंकि दूसरों ने जब वही खाना खाया, तब उन पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ा। उनमें से वह कौन था, जो नौकरानी की निगाह बचाकर उस खाने के पास पहुँचा था?

''इस प्रश्न का जवाब तय करने से पहले मैंने उस कुत्ते की चुप्पी पर भी ध्यान दिया, क्योंकि एक वास्तविक निष्कर्ष

निरपवाद रूप से दूसरे तथ्यों को भी दिखा देता है। सिंपसनवाली घटना से मुझे यह पता चल गया था कि वह कुत्ता अस्तबल में ही रहता था, मगर जब कोई अस्तबल में घुसा और घोड़े को ले गया, कुत्ता तब इतना भी नहीं भौंका कि गैलरी में सोए वे दोनों लड़के भी जाग पाते। इसका मतलब साफ है कि आधी रात को आनेवाले आगंतुक को कुत्ता अच्छी तरह से पहचानता था।

''मैं पूरी तरह से निश्चिंत था कि जॉन स्टारकर ही उस रात के अँधेरे में अस्तबल में गया था और उसी ने सिल्वर ब्लेज को बाहर निकाला था। पर किस लिए? यह बिलकुल ही स्पष्ट है कि बेईमानी के लिए और इसने अपने ही अस्तबल के लड़के को नशीला पदार्थ क्यों खिलाया था? इस क्यों को जानने में मैं अभी भी असफल था। इससे पहले इस तरह के बहुत से मामले आए हैं, जिसमें अपने ही घोड़ों को दलालों के हाथों सौंप और उन्हें धोखेबाजी से जीतने से रोककर काफी पैसा बनाया है। यह काम कभी-कभी जॉकी को मिलाकर और कभी-कभी निश्चित और सूक्ष्म ढंग से किया जाता है। यहाँ इसमें से कौन सा तरीका अपनाया गया था? मुझे उम्मीद थी कि उसकी जेब से निकले सामानों से ही मुझे सहायता मिल सकती थी।

''और इसमें हुआ भी ऐसा ही। आपको याद होगा कि उस मृतक के हाथ में एक खास तरह का चाकू मिला था,

जिसका कोई भी समझदार आदमी बतौर हथियार इस्तेमाल नहीं करेगा। डॉ. वाटसन ने जैसा कि हमें बताया था कि इस तरह के चाकू का इस्तेमाल बड़े ही खास तरह के ऑपरेशन में चीर–फाड़ के लिए किया जाता है और इसका इस्तेमाल उस रात को एक खास तरह के ऑपरेशन के लिए ही किया जानेवाला था। कर्नल रॉस, आपको रेस के मामलों में हुए अपने ढेरों अनुभवों से यह पता होगा कि घोड़े के पुट्ठे पर उसकी नस में एक छोटा सा चीरा लगाना संभव है और इसे चमड़ी के भीतर लगाया जा सकता है, ताकि किसी तरह का निशान न दिखाई पड़े। इस तरह से तैयार किया गया घोड़ा थोड़ा सा लँगड़ाने लगेगा और इसे अपने अभ्यास के दौरान खिंचाव महसूस होगा या गठिया से पीड़ित हो जाएगा और इसमें कोई बेईमानी भी नहीं दिखेगी।''

कर्नल चीखा, ''बदमाश! दुष्ट!''

''हमें इस बात की जानकारी हो चुकी है कि जॉन स्टारकर क्यों उस घोड़े को बंजर टीले पर ले जाना चाहता था? ऐसे तेज, तर्रार घोड़े को जब चाकू का चीरा लगाया जाएगा तब वह गहरी से गहरी नींद में सोनेवालों को भी जगा देगा, इसीलिए ऐसे काम के लिए खुले मैदान का होना बहुत ही जरूरी है।''

कर्नल ने कहा, ''मैं अंधा हो गया था। और हाँ, इसीलिए उसने मोमबत्ती भी जलाई थी।''

''बेशक! पर उसके सामानों की जाँच करते वक्त मैं इतना भाग्यशाली था कि मुझे न केवल उस अपराध का तरीका ही पता चला बल्कि उसके उद्देश्य का भी पता चल गया था। एक दुनियादार आदमी होने के नाते कर्नल! आप जानते ही हैं कि कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे की बिल पर्चियाँ अपनी जेब में रखकर नहीं घूमता है। हममें से अधिकतर लोग अपने खुद के ही बिल चुकता करने के लिए रख लेते हैं। मुझे यह तुरंत ही पता चल गया था कि स्टारकर दोहरी जिंदगी जी रहा था और उसने कहीं और भी अपना दूसरा घर बसा रखा था। बिल देखकर लगता था कि इस मामले में एक महिला भी है और जिसका स्वभाव काफी खर्चीला है। यह बात और है कि आप अपने नौकरों के साथ बहुत उदार हैं, फिर भी इसकी आशा कम ही है कि वे अपनी औरतों के लिए बीस गिन्नी की महँगी ड्रेस खरीद सकेंगे। मैंने श्रीमती स्टारकर से यह जानते हुए कि उनको पता नहीं है, फिर भी उनसे उनकी ड्रेस के बारे में पूछा था, इस बात से मैं संतुष्ट हो चुका था कि यह ड्रेस उन तक नहीं पहुँची थी। तब मैंने औरतों के परिधान सिलनेवाले का पता वहाँ से ले लिया और यह महसूस किया कि डर्बीशायर में उसे स्टारकर का फोटोग्राफ

दिखाकर मैं आसानी से जानकारी प्राप्त कर लूँगा।

"और इसके बाद तो सारा कुछ स्पष्ट था। स्टारकर घोड़े को उस गड्ढ में ले गया था जहाँ रोशनी नहीं थी। भागते समय सिंपसन का मफलर गिर गया था, जिसे स्टारकर ने घोड़े के पैरों से सुरक्षा के इस्तेमाल के इरादे से उठा लिया था। उस गड्ढे में वह जब घोड़े के पीछे आया और रोशनी जलाई तब घोड़ा उस अचानक पैदा हुई रोशनी से डर गया और जानवर की अजीब सी प्रकृति कि उसके साथ कुछ बुरा घटने वाला है, वह बिदक गया और उसने अपने स्टीलवाले खुरों से स्टारकर के माथे पर जोरदार प्रहार कर दिया। उधर स्टारकर बारिश होने के बावजूद इस सावधानी से करनेवाले काम के लिए अपना ओवरकोट पहले ही उतार चुका था, अत: वह गिर पड़ा और उसका चाकू उसकी ही जाँघ में धँस गया।"

"मैं अब सबकुछ स्पष्ट कर चुका हूँ।"

कर्नल जोर से चिल्लाया, "कमाल है। कमाल हो गया, लगता है आप वहीं थे।"

मेरा अंतिम निशाना, मैं स्वीकार करता हूँ, काफी लंबा था। मुझे इस बात ने सोचने पर मजबूर कर दिया था कि स्टारकर जैसा घाघ आदमी बिना किसी पूर्वाभ्यास के ही

क्या नस काटनेवाले इस खास तरह के चाकू का इस्तेमाल कर लेगा? उसने किन चीजों पर अभ्यास किया होगा? मेरी निगाह भेड़ों पर पड़ी और मैंने प्रश्न पूछा था, जिससे मुझे आश्चर्य के साथ पता चला कि मेरा अनुमान सही था।

''जब मैं लंदन वापस लौटा तो मैंने उस ड्रेस बनानेवाले से स्टारकर के बारे में पूछा, उसने बताया कि डर्बीशायर में स्टारकर उसका एक असाधारण ग्राहक है, जिसकी एक खूबसूरत और बहुत ही महँगे शौक रखनेवाली बीवी भी है। मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि उस महिला ने स्टारकर को सिर से पाँव तक कर्ज में डुबो दिया होगा और जिसकी वजह से उसे इस दु:खद रास्ते को अपनाना पड़ा होगा।

कर्नल ने जोर देकर कहा, ''आपने सभी चीजें बताईं, पर एक बात छोड़ दी, वह घोड़ा कहाँ था?''

''हाँ, यह एक जगह बंद था और आपके एक पड़ोसी ने इसका खयाल रखा था। मैं सोचता हूँ कि हमें उसे क्षमा करते हुए भूल जाना चाहिए। मालूम पड़ता है क्लैफाम जंक्शन आ गया है। अगर मैं गलत नहीं हूँ तो हम दस मिनट से भी कम समय में विक्टोरिया में होंगे। कर्नल, अगर आप हमारे कमरे में साथ ही सिगार पीने चलें तो मुझे आपको कुछ और तरह के किस्से सुनाने में भी खुशी होगी, और हो सकता है, उन्हें सुनने में आपको भी मजा आए।''